प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मारीशस के राष्ट्रपति और अमेरिका की खुफिया प्रमुख तुलसी गवार्ड को गंगाजली में दिया संगम का जल

महाकुंभ से मिली पीतल नगरी के गंगाजली कारोबार को नई दिशा

अजय कुमार शर्मा ● जागरण

मुरादाबाद : पीतल उत्पाद से विश्वभर में पहचान बनाने वाले मुरादाबाद के कारोबार को महाकुंभ से बढ़ावा मिला है। महाकुंभ की वजह से प्रयागराज, काशी और अयोध्याजी में पूजा उत्पादों की रिकार्ड बिक्री हुई। शहर में बनी गंगाजली को भी नई पहचान मिली है। प्रदेश के संस्कृति विभाग ने भी इसकी खरीदारी की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 मार्च को मारीशस में वहां के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल को संगम का जल गंगाजली में भेंट किया। अब उन्होंने नई दिल्ली में अमेरिका की शीर्ष खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलीजेंस की निदेशक तुलसी गबार्ड को गंगाजली में जल भेंट किया है। यह गंगाजली मुरादाबाद की होने

बर्तन बाजार स्थित दुकान के रखी गंगाजली ● जागरण

50 से 1500 रुपये तक की गंगजाली, महाकुंभ में एक लाख की रही मांग, कारोबार हुआ दोगुणा

मुरादाबाद में करीब 150 करोबारी गंगाजली बनाने का काम करते हैं। कोई गंगाजली को ढाल देता है, कोई पालिश और कोई उस पर नक्काशी करता है। गंगाजली मुरादाबाद से लखनऊ भेजी गई। वहां से दिल्ली भेजी गई है।

– **योगेश कुमार**, संयुक्त आयुक्त उद्योग, मुरादाबाद

का अनुमान है। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के बाइस चेयरमैन नीरज खन्ना का कहना है कि इस तरह की गंगाजली मुरादाबाद में बनती है। हालांकि, वहां से सीधे खरीदने की जानकारी नहीं है। करीब 150 कारीगर गंगाजली बना रहे हैं। इसकी कीमत 50 रुपये से लेकर 1,500 रुपये तक है। महाकुंभ की वजह से गंगाजली की बिक्री दोगुणे के आसपास हो गई है। पूर्व में करीब एक लाख गंगाजली एक साल में बिकती थीं। महाकुंभ में ही इतनी बिक गई। इसके बाद लगातार मांग आ रही है।

मुरादाबाद में पीतल और हैंडीक्राफ्ट का निर्यात करीब 14 हजार करोड़ हैं। करीब तीन लाख कारीगर इस कारोबार से जुड़े हैं। जिनमें करीब 70 हजार कारीगर उद्योग विभाग में पंजीकृत हैं। अमेरिका, यूरोप के करीब 16 देशों में सीधे मुरादाबाद से निर्यात होता है। वहां से अन्य देशों में भी मुरादाबाद के उत्पादों की सप्लाई की जाती है। जिसमें बर्तन कारोबार करीब 50 करोड़ रुपये सालाना तक है। शहर के बर्तन व्यवसायी अनुभव अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने लखनऊ के व्यापारी को 1100 कलश और तीन हजार गंगाजली की सप्लाई की थी। वहां से 1200 के आसपास गंगाजली संस्कृति विभाग ने खरीदी हैं। जिन्हें दिल्ली भी भेजे जाने की जानकारी मिली है। गंगाजली तीन से 12 इंच तक ऊंची है। ऊंचाई के हिसाब से कीमत है। सबसे छोटी गंगाजली 50 रुपये और सबसे बड़ी गंगाजली 1500 रुपये की है। इनमें 50 ग्राम से लेकर दो लीटर तक जल आता है। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान मुरादाबाद की गंगाजली खूब बिकी हैं। गंगाजली में आम श्रद्धालुओं के साथ गंगास्नान को आए वीवीआइपी को भी गंगाजल दिया गया है।

तीन तरह की गंगाजली: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के महानगर महामंत्री अमरीश अग्रवाल का कहना है कि एक गंगाजली एक प्लेन, दूसरी एंब्रोस(इसमें हल्की नक्काशी होती है) और तीसरी टोटीदार(इसमें टोटी निकली होती है) होती है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष अजय अग्रवाल बताते हैं कि महाकुंभ से बर्तन बाजार को रफ्तार मिली है। पूजा उत्पादों की काफी मांग बढ़ी है। गंगाजली, कलश, पूजा थाली, घंटी सहित अन्य उत्पादों की मांग रहती है। कई कारीगर मिलकर एक गंगजली तैयार करते हैं। प्रधानमंत्री के मुरादाबाद की गंगाजली में संगम का जल भेंट करने से मुरादाबाद को नई पहचान मिली है।